



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 70]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 26, 2010/फाल्गुन 7, 1931

No. 70]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 26, 2010/PHALGUNA 7, 1931

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2010

अंतिम जांच परिणाम (निर्णायक समीक्षा)

विषय : रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (पी टी एफ ई) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में निर्याणक समीक्षा ।

सं. 15/30/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 जिसे आगे अधिनियम कहा गया है और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क मामले की पृष्ठभूमि

1. समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 जिसे आगे अधिनियम कहा गया है और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने रूस (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय-39 के सी. शु. उपशीर्ष 390461 के अंतर्गत आने वाले पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों पर 9 जून, 1999 की अधिसूचना सं. 24/1/98-डीजीएडी के तहत अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । अंतिम जांच परिणाम 13 अक्टूबर, 1999 की अधिसूचना सं. 21/1/98-डीजीएडी के तहत अधिसूचित किए गए थे और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 30-12-1999 की अधिसूचना सं. 141/99-सी. शु. के तहत लगाया गया था । उस मामले में याचिका मै. हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. ने दायर की थी । प्राधिकारी ने उक्त निश्चयात्मक शुल्क की निर्णायक समीक्षा की और 7 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना सं. 15/6/2003-डीजीएडी के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क सतत् रूप से जारी रखने की सिफारिश की, भारत सरकार द्वारा इस प्रकार का शुल्क आगे और 5 वर्ष की अवधि के लिए 18-11-2004 की सी.शु. अधिसूचना सं. 110/2004 के तहत लगाया गया था । 11 जनवरी, 2010 की सी.शु. अधिसूचना 2/2010-सी.शु. के अनुसार निर्णायक समीक्षा की शुरुआत के बाद पाटनरोधी शुल्क की अवधि को आगे और एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया है ।

2. प्राधिकारी को इस आधार पर शुल्क की अवधि बढ़ाने के अनुरोध के साथ मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. से एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त हुआ कि शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। याचिकाकर्ता ने लागू पाटनरोधी शुल्क के समय विस्तार की जरूरत की पुष्टि करते हुए इस संबंध में प्रथमदृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया है।

3. इस बात से संतुष्ट होने के उपरांत कि याचिकाकर्ता ने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है और इंडियन मैटल एंड फ़ैरो अलॉयज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, रिट याचिका (सिविल) सं. 2006 की 16893 मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम-23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार रूस के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर 27 फरवरी, 2009 की अधिसूचना सं. 15/30/2008-डीजीएडी के तहत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी।

ख. प्रक्रिया

4. इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

क. मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि., नौएडा ने रूस के मूल के या वहां से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (पी टी एफ ई) के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करते हुए सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है।

ख. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर इस बात की समीक्षा करने के लिए कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, उक्त देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी समीक्षा जांच शुरू करते हुए 27 फरवरी, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना सं. 15/30/2008-डीजीएडी जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया। वर्तमान समीक्षा के दायरे में पूर्ववर्ती अधिसूचना के सभी पहलू आते हैं।

ग. नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया गया था।

घ. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराईं। अगोपनीय आवेदन की प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थीं:

ड. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) भेजी और उन्हें नियम 6(2) तथा 6(4) के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया। तथापि, किसी भी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।

1. हास्ट लि., पो.बा. नं. 17, 203104, मास्को, रूस
2. जैम पैक इंटर प्राइजेज लि., सेंट पीटर्स वर्ग, पी.आर. कॉस्मोनावतोव, डी.35 रूस।
3. किरोवो-चेपेतस्की किमिचेस्की कॉम्बीनाट, 7, पोझरनी लेन, किरोवो-चेपेतस्क-613042, किरोव क्षेत्र, रूस।

च. जांच की शुरुआत और सार्वजनिक सुनवाई के बाद रूस के संबद्ध वस्तु के एक निर्यातक मै. हेलोपोलीमर ने भारत को अपने निर्यातों को प्रस्तुत कर जांच की शुरुआत और याचिका का उत्तर दिया है। तथापि, उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना नितांत अपूर्ण और निर्यातक प्रश्नावली के स्वरूप में नहीं है।

छ. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित समस्त ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उन्हें नियम 6(4) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी।

- (क) गोएन्का एंड संस, मुंबई
- (ख) प्रगति इंटरनेशनल, नई दिल्ली
- (ग) वीनस इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली
- (घ) मेकेनिकल पैकिंग इंडस्ट्रीज, मुंबई
- (ङ) मै. मैक पॉलीमर्स, पुणे
- (च) टी कोटिंग इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- (छ) प्रगति प्लास्टिक प्रा.लि., नई दिल्ली
- (ज) ऑटोमेट इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- (झ) डिप फ्लोन इंजीनियरिंग कं., अहमदाबाद
- (ट) प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कं., अहमदाबाद

(ठ) कोरोसिन इंजिनियर्स, अहमदाबाद

ज. तथापि, मै. गोरनी इंडिया प्रा.लि. को छोड़कर किसी भी आयातक ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। इसने आयातक प्रश्नावली के कुछ अनुबंध प्रस्तुत किए हैं। तथापि, मै. लक्ष्मी कुमारन एंड श्रीधरन द्वारा निम्नलिखित कंपनियों के संबंध में टिप्पणियां दायर की गई हैं :

1. सुप्रीमो पॉलीमर इंडस्ट्रीज
2. टीएफई कोटिंग इंडस्ट्रीज
3. फ्लोरो कार्बन प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज
4. मानेक फ्लूरो पॉलीमर्स प्रा.लि.
5. पैकलोन इंडस्ट्रीज
6. कानन पॉलीमर
7. इलेक्ट्रो पालीमर इंडस्ट्रीज
8. संघवी टैक्नोप्रोडक्ट्स
9. डिपफ्लोन इंजी. एंड कंपनी
10. प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजी. कंपनी
11. फ्लूरोफ्लॉन इंडस्ट्रीज
12. ध्वानि पॉलीमर इंडस्ट्रीज
13. जयहिन्द पॉलीमर्स
14. अंगना इंटरनेशनल
15. एफ्लोन इंजी. कार्पो.
16. टी एंड एफ इंसुलेशन प्रा. लि.
17. टैफकोट केबल कंपनी

झ. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा, जिसे प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा।

ञ. जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना भेजी है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।

ट. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए आयात के आंकड़े मांगे गए थे।

ठ. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु आवेदक एवं अन्य घरेलू उत्पादक से सूचना मांगी गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

ड. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए 29.10.09 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से व्यक्त किए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों और उत्तरों पर संगत सीमा तक विचार किया गया है ;

ढ. आवेदक तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।

ण. उपर्युक्त नियमावली के नियम-16 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में समुचित विचार किया गया है।

त. यह जांच 1 अक्टूबर 2007 से 30 सितंबर, 2008 की अवधि (जिसे जांच अवधि भी कहा गया है) के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण में वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 और जांच अवधि शामिल है।

थ. *** चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद रूस के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (जिसे पी टी एफ ई भी कहा गया है)" है। पी टी एफ ई का उत्पादन मोल्डिंग ग्रेड, फाइन पाऊडर, एक्वस डिस्पर्सन तथा फील्ड ग्रेडों के कंपाउंड ग्रेडों जैसे विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है। पूर्ववर्ती मामले के क्षेत्र में शामिल किए गए समस्त ग्रेड और वर्तमान शुल्क वर्तमान समीक्षा के दायरे में आते हैं। पी टी एफ ई का प्राथमिक उपयोग विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक तथा रसायन उद्योगों में उसकी अद्भुत विशेषताओं के कारण किया जाता है जो हैं- रासायनिक अक्रियाशीलता, विद्युत एवं तापीय उष्मारोध, घर्षण का कम गुणांक विषहीन, अज्वलनशील विकीरण के प्रति प्रतिरोधी क्षमता, स्थायी एवं गतिशील घर्षण का कम स्तर तथा व्यापक बारंबारता में बेहतरीन विद्युत गुणधर्म।

6. पॉलीटेद्राफ्लूरोएथीलिन (पीटीटीई) सीमाशुल्क शुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष सं. 390461 एवं उप शीर्ष सं. 39046100 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, ये सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं हैं ।

घरेलू उद्योग के विचार

7. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहना चाहिए जो कि मूल जांच में था । यद्यपि, केवल मै. हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि., जांच के समय एकमात्र उत्पादक था, तथापि इस उत्पाद का अब उत्पादन मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. द्वारा भी किया जा रहा है । इसी वजह से उत्पाद के क्षेत्र की समीक्षा करने का कोई कारण नहीं है । घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है । आवेदक ने यह भी दावा किया है कि उनके द्वारा और विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी एवं प्राथमिक उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है; यद्यपि प्रत्येक उत्पादक उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं के आधार पर अपनी उत्पादन प्रक्रिया को सुमेलित करता है ।

आयातकों के विचार

8. मै. प्रतिवादी उत्पादकों ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र इतना व्यापक है कि जांच शुरुआत की सूचना में पी टी एफ ई के सभी ग्रेड शामिल हैं, जबकि आवेदक मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. द्वारा पी टी एफ ई के केवल एक ग्रेड अर्थात् ग्रेन्यूलर रेजिन का ही उत्पादन किया जाता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच है । पी टी एफ ई के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी की पूर्ववर्ती सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था । पूर्ववर्ती जांच में हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. घरेलू उद्योग था । यद्यपि, वर्तमान याचिका मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने दायर की थी । तथापि, हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. ने बाद में प्राधिकारी से सहयोग किया और समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है । प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में खासकर तब जब किसी हितबद्ध पक्षकार ने उसकी जरूरत की पुष्टि नहीं की है, न तो विस्तार करने और न ही उसमें कमी करने की जरूरत है । वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. तथा हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. हैं । पूर्ववर्ती जांच के समय मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. घरेलू उद्योग था । इस जांच में यह सिद्ध किया गया था कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन कर उसकी आपूर्ति की थी । चूंकि गुजरात फ्लूरो कार्बन्स लि. और हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि., दोनों ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और समस्त सूचना प्रदान की है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर निर्णय इन दोनों कंपनियों द्वारा उत्पादित और आपूर्त वस्तु के आधार पर लेना अपेक्षित है । प्रकटन विवरण के उपरांत घरेलू उद्योग और निर्यातक तथा आयातक, दोनों ने अपने अनुरोधों में पूर्व में व्यक्त विचारों को दोहराया है । घरेलू उद्योग के अनुरोधों एवं घरेलू उद्योगों की जांच और सत्यापन करने के बाद

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग इस प्रकटन विवरण में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद का विनिर्माण करता है अतः निर्णायक समीक्षा के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहता है जैसा कि मूल जांच में परिभाषित किया गया है और जिसका उपर्युक्त पैरा (3) में उल्लेख किया गया है ।

घ. घरेलू उद्योग तथा आधार

10. यह आवेदन गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि., नोएडा ने दायर किया है । इसके अलावा, मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि., हैदराबाद ने वर्तमान जांच में सहयोग किया है और समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है । मूल जांच में हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. (एच एफ एल) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी ।

11. मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. (जी एफ एल) ने 5500 मी.ट. की स्थापित क्षमता से पी टी एफ ई के उत्पादन हेतु एक नया संयंत्र स्थापित किया है जिसने वाणिज्यिक उत्पादन दिसंबर, 2007 में शुरू किया । वर्तमान जांच अवधि में गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. की क्षमता और उत्पादन हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. और हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का 100% बनता है । प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक तथा आयातकों ने इस तथ्य पर आपत्ति व्यक्त की है कि मै. एच एफ एल सार्वजनिक सुनवाई के बाद पाटनरोधी कार्रवाई में शामिल हुआ और हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन विवरण जारी होने तक मै. एच एफ एल के अनुरोधों के बारे में सूचित नहीं किया गया । मुद्दों की जांच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि मै. एच एफ एल ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया था और उसने घरेलू उद्योग के प्रपत्र के अनुसार सूचना प्रस्तुत की थी तथा उसके अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सभी संबंधित हितबद्ध पक्षकारों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में विधिवत रखी गई थी । अतः प्राधिकारी वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. (जी एफ एल) तथा हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. (एच एफ एल) को घरेलू उद्योग मानते हैं ।

गोपनीयता

12. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की और गोपनीयता के दावे के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसकी अनुमति प्रदान की ।

किए गए अनुरोध और उठाए गए मुद्दे

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । तथापि, निम्नलिखित आयातकों ने मै. लक्ष्मी कुमारन एंड श्रीधरन के जरिए अपने उत्तर दायर किए हैं । यद्यपि, इन उत्तरों में स्पष्टतः यह उल्लेख है कि ये चीन से संबंधित समानांतर जांच के बारे में हैं

तथापि, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए संगत सीमा तक उन पर वर्तमान जांच में भी भरोसा करने के लिए उचित माना है ।

- I. सुप्रीमो पोलिमेर इंडस्ट्रीज
- II. टीएफई कोटिंग इंडस्ट्रीज
- III. फ्लोरो कार्बन प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज
- IV. मानेक फ्लूरो पॉलीमर्स प्रा.लि.
- V. पैकलोन इंडस्ट्रीज
- VI. कानन पॉलीमर
- VII. इलेक्ट्रो पालीमर इंडस्ट्रीज
- VIII. संघवी टैक्नोप्रोडक्ट्स
- IX. डिपफ्लोन इंजी. एंड कंपनी
- X. प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजी. कंपनी
- XI. फ्लूरोफ्लॉन इंडस्ट्रीज
- XII. ध्वानि पॉलीमर इंडस्ट्रीज
- XIII. जयहिन्द पॉलीमर्स
- XIV. अंगना इंटरनेशनल
- XV. एफ्लोन इंजी. कार्पो.
- XVI. टी एंड एफ इंसुलेशन प्रा. लि.
- XVII. टैफकोट केबल कंपनी

14. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को इस प्रकटन विवरण में समुचित ढंग से ध्यान में रखा गया है ।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

1. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

2. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

किंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा।"

15. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। संगत सूचना मांगते हुए जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना, निर्यातकों को संबोधित पत्र तथा प्रश्नावली की प्रति रूस की सरकार को भी भेजी गई थी। किसी भी निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

16. संबद्ध देश के किसी निर्यातक से असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी के पास रूसी निर्यातकों के असहयोग के मद्देनजर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रूस के घरेलू बाजार में बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के प्रयास किए गए थे। यद्यपि, याचिकाकर्ता ने यह बताया कि रूस में विचाराधीन उत्पाद की कीमतें सूचित करने वाली कोई पत्र/पत्रिका नहीं है, तथापि, प्राधिकारी द्वारा की गई तलाश से रूस में प्रचलित कीमत का कोई वास्तविक साक्ष्य नहीं मिला। तथापि, यह नोट किया जाता है कि वैबसाइट पर उपलब्ध सूचना में 45-50 अम.डॉ. प्रति किग्रा. की कीमत की पेशकश प्रदर्शित की गई है जिसे स्वीकार किए जाने के परिणामस्वरूप अत्यंत उच्च पाटन मार्जिन बनेगा। चूंकि यह सूचना रूसी निर्यातकों को नुकसानदायक होती, इसलिए प्राधिकारी ने इस कीमत को स्वीकार नहीं किया है। रूस के निर्यातकों के सहयोग के अभाव में तीसरे देश को रूस की कीमत भी स्वीकार नहीं की जा सकती और घरेलू उद्योग के इस दावे की तीसरे देश को हुए रूसी निर्यात पाटित कीमतों और समान कीमत रेंज में हुए थे, को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। (जैसा कि रूस से यूरोप को हुए पी टी एफ के निर्यातों पर पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने से पुष्टि होती है)। उपर्युक्त के मद्देनजर

प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना अर्थात् उत्पादन की अनुमानित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए बाध्य हुए हैं ।

17. यह भी नोट किया जाता है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में आवेदक द्वारा किए गए दावे का भी निर्यातक या अन्य हितबद्ध पक्षकार ने खंडन नहीं किया है । इन परिस्थितियों में नियमों के अंतर्गत सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है अतः उत्पादन लागत के आधार पर उपलब्ध सूचना को बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ जोड़ने के बाद सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में लिया गया है ।

सामग्री की लागत	****
उपयोगिता लागत	****
परिवर्तन लागत	****
एस जी ए	****
वित्त लागत	****
5% की दर से लाभ मार्जिन	****
सामान्य मूल्य (रु. प्रति किग्रा.)	****
भारतीय रुपए की अम.डॉ. में विनिमय दर	****
परिकलित सामान्य मूल्य (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	9.25

18. संबद्ध देश के किसी निर्यातक से असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी के पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है । प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस, रूसी सीमाशुल्क के आंकड़ों (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार) तथा आई बी आई एस के आधार पर आयात संबंधी सूचना पर विचार किया है । यह नोट किया जाता है कि रूसी सीमाशुल्क के आंकड़े कलेंडर वर्ष के आधार पर उपलब्ध हैं और कोई माह-वार व्यौरा उपलब्ध नहीं है । अतः जांच अवधि के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण रूसी सीमाशुल्क के आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता । चूंकि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में देश के समस्त सीमाशुल्क पत्तन शामिल हैं, जबकि आई बी आई एस के आंकड़ों में केवल चुनिंदा पत्तन ही शामिल हैं और चूंकि डी जी सी आई एंड एस की सूचना आई बी आई एस की सूचना से अधिक व्यापक पाई गई है इसलिए प्राधिकारी का प्रस्ताव डी जी सी आई एंड एस के प्रस्ताव पर निर्यात कीमत निर्धारित करने का है ।

19. तदनुसार निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया गया है । भारत औसत निर्यात कीमत का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के आयातों की कुल मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए किया गया है । इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत सी आई एफ के स्तर पर है । इसमें रूसी निर्यातकों के असहयोग के मद्देनजर उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, रूस में अंतरदेशीय भाड़े, रूस में पत्तन व्यय के लिए समायोजन किए गए हैं ।

क्र. सं.	विवरण	सभी रूसी उत्पादक/निर्यातक
1	सी आई एफ निर्यात कीमत	6.04
2	घटाएं : सी आई एफ में से कारखाना व्यय	0.21
3	कारखाना कीमत	5.83

पाटन मार्जिन

20. पाटन मार्जिन का निर्धारण उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

	इकाई	सभी रूसी उत्पादक/निर्यातक
परिकलित सामान्य मूल्य	अम.डॉ./कि. ग्रा.	9.25
निवल निर्यात कीमत	अम.डॉ./कि. ग्रा.	5.83
पा.मा. डॉलर	अम.डॉ./कि. ग्रा.	3.42
पा. मा. %	%	58.65

क्षति निर्धारण

घरेलू उद्योग के विचार

21. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन और रूस से संबद्ध वस्तु के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है:

- (क) रूस के मामले में आयात भारी मात्रा में जारी रहे।
- (ख) चीन के मामले में मूल जांच अवधि की तुलना में आयातों में भारी वृद्धि हुई।
- (ग) पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन से आयातों में वृद्धि हुई।
- (घ) चीन के मामले में आयातों का हिस्सा भारत में मांग/खपत की तुलना में काफी अधिक बना रहा।
- (ङ) देश के भीतर पर्याप्त क्षमता और उत्पादन होने के बावजूद चीन से आयातों की पर्याप्त मात्रा।

- (च) चीन और रूस (दोनों से अलग-अलग रूप में) से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हुई । आयातों के कारण घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु कीमत में हास हो रहा है । आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हुई ।
- (छ) घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल बना हुआ है । वस्तुतः घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का उपयोग करने से वंचित हुआ है । यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपना उत्पादन कम स्तर पर रखा है, तथापि मालसूची 8-10 बिक्री माह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई । देश में मांग की तुलना में बिक्री मात्रा काफी कम है । घरेलू उद्योग अत्यधिक वित्तीय घाटे, निवेश पर ऋणात्मक आय और नकद लाभ में हानि का सामना कर रहा है ।
- (ज) घरेलू उद्योग का निष्पादन उसकी परियोजना रिपोर्ट के अनुमानों से वस्तुतः कम रहा है ।
- (झ) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।
- (ञ) घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के बाजार हिस्से में गिरावट प्रदर्शित हुई है ।
- (ट) घाटे में पहले गिरावट आई लेकिन बाद में वृद्धि हुई है ।
- (ठ) बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है । लेकिन, लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है ।
- (ड) लगाई गई पूंजी पर आय में पहले सुधार हुआ और बारद में गिरावट आई ।
- (ढ) कीमत कटौती में सकारात्मक है ।
- (ण) नकद लाभ में पहले सुधार हुआ लेकिन बाद में गिरावट आई है ।
- (त) रोजगार एवं मजदूरी में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।
- (थ) पूंजी जुटाने की क्षमता के बारे में एक याचिकाकर्ता कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है; जबकि दूसरी बहु उत्पाद कंपनी होने के कारण कोई खास नकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित नहीं कर रही है ।

22. आयातकों तथा प्रयोक्ताओं के विचार

आयातकों एवं प्रयोक्ताओं द्वारा व्यक्त विचार निम्नानुसार हैं :

- (क) परिकलित सामान्य मूल्य :- खपत के कारक, कच्ची सामग्री, उपयोगिता, परिवर्तन लागत के बारे में दावों की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है ।
- (ख) निर्यात कीमत- निवल निर्यात कीमत में समायोजन के बारे में दावों की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है । चूंकि निवल निर्यात कीमत की गणना भारत में हुए आयातों से संबंधित है, इसलिए उसे गोपनीय नहीं माना जा सकता ।

- (ग) गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने वर्ष 2007 में ही उत्पादन शुरू किया है। अतः उनके द्वारा 10 माह के लिए प्रदत्त आंकड़े अपर्याप्त हैं। अपनी शुरुआती चरण में होने के कारण यह कंपनी कठिनाइयों का सामना करने के लिए बाध्य है।
- (घ) याचिकाकर्ता ने पूर्ववर्ती वर्ष जो मात्र 4 माह, अर्थात् दिसंबर, 07-मार्च, 08 की है, के साथ जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना की है।
- (ङ) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और बिक्री में सुधार प्रदर्शित हुआ है।
- (च) गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. के वर्ष 2007-08 एवं 2008-09 के तुलन पत्र में मांग में गिरावट के बावजूद उत्पादन, आबद्ध खपत एवं बिक्री में सुधार प्रदर्शित होता है।
- (छ) गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. की 2008-09 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इसकी कार्बन क्रेडिट बाजार में मजबूत उपस्थिति बनी हुई है।
- (ज) कुल घरेलू बिक्री (493%) और बाजार हिस्से (588%) में भारी वृद्धि तथा घरेलू मांग में अत्यधिक गिरावट (-11.6%) के मद्देनजर कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- (झ) दिसंबर, 07-मार्च, 08 की अवधि में इस तथ्य की उत्पादन में इस प्रकार की तीव्र वृद्धि स्थापित क्षमता में हुई वृद्धि से काफी कम रही है, से यह पता चलता है कि क्षमता उपयोग में मामूली गिरावट अति महत्वाकांक्षी क्षमता वृद्धि के कारण आई है न कि संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि के कारण।
- (ञ) घाटा, यदि कोई हो, गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. के शुरुआती चरण में होने के कारण हुआ है और शेष विश्व से भारी मात्रा में आयात हुए थे।
- (ट) क्षति के कारण पर पहुंचते समय प्राधिकारी को गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. के निर्यात निष्पादन पर विचार करना चाहिए था। इसका 50% से अधिक उत्पादन निर्यात के लिए होता है। निर्यात में किसी गिरावट का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, निर्यात कीमत में किसी कमी से नियत लागत में ह्रास होगा और इससे अतिरिक्त घाटा होगा।

23. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि

- (क) जहां तक घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और बिक्री में वृद्धि का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जांच अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है। अतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में हुई कुछ वृद्धि तथा बाजार हिस्से में परिणामी वृद्धि उत्पादन की इस शुरुआत के कारण हुई है।
- (ख) प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने सार्वजनिक क्षेत्र में संगत सूचना उपलब्ध न होने की दलील देते हुए उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। अतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में हुई कुछ वृद्धि तथा बाजार हिस्से में हुई परिणामी वृद्धि उत्पादन की इस शुरुआत की वजह से हुई है।

- (ग) जहां तक उस अवधि का संबंध है, जिसके लिए क्षति संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने इसी अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है; हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. ने समूची क्षति अवधि में उत्पादन किया था। कंपनी ने क्षति निर्धारण से संगत सूचना प्रदान की है। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच वर्तमान जांच में जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए की गई है।
- (घ) कार्बन ऋण हेतु तरजीह प्रदान करने के बाद क्षति रहित कीमत के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए रिकॉर्डों के आधार पर किया गया है। विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री से कार्बन ऋण का कोई लाभ नहीं मिलता है। कार्बन ऋण एच एफ सी -23 (आर-23 के नाम से भी ज्ञात) के लिए प्राप्त होता है और यह सामग्री विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री नहीं है। इसके अलावा, चूंकि घरेलू उद्योग आर-22 का आबद्ध उत्पादन कर रहा है, इसलिए प्राधिकारी के लिए आर-22 की बाजार कीमत पर विचार करना अपेक्षित है। अतः आर-22 की उत्पादन लागत पी टी एफ ई की क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु किसी भी तरह से प्रासंगिक नहीं है।
- (ङ) जहां तक वार्षिक रिपोर्ट में सूचित जी एफ एल के निष्पादन का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि जी एफ एल एक बहु उत्पाद कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी के पर्याप्त घरेलू एवं निर्यात प्रचालन हैं। प्राधिकारी ने क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर भरोसा किया है। अतः प्रकाशित वित्तीय परिणामों में प्रदर्शित निष्पादन विचाराधीन उत्पाद के निष्पादन के लिए संगत अथवा सांकेतिक नहीं हो सकता है।
- (च) जहां तक गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. द्वारा केवल जांच अवधि में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने और इसकी अवधि कम होने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि :
- याचिकाकर्ता ने वाणिज्यिक उत्पादन की सीमा तक क्षति संबंधी सूचना प्रदान की है। याचिकाकर्ता ने अधिकतम उपलब्ध सीमा तक निष्पादन प्रदर्शित करने के लिए अपने अनुरोधों में परिवर्ती अवधि की सूचना प्रदान की ;
 - याचिकाकर्ता ने परियोजना रिपोर्ट में जो सूचना उपलब्ध की है, जिसके आधार पर वर्तमान संयंत्र की परिकल्पना की गई थी, जिससे यह पता चलता है कि परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित निष्पादन की तुलना में निष्पादन अब तक प्रतिकूल रहा है।
 - यद्यपि, परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है, तथापि यह देखा गया है कि आयात की पहुंच कीमत ऐसी क्षति रहित कीमत से काफी कम है। जहां तक गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. का संबंध है, इस तथ्य के मद्देनजर

कि कंपनी ने वर्तमान जांच अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, संगत बात यह है कि क्या घरेलू उद्योग का निष्पादन उत्पाद के सतत पाटन द्वारा प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहा है अथवा क्या वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति द्वारा घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है ।

- आयातकों और निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को क्षति की उस सीमा तक जांच करनी चाहिए और यह जांच करनी चाहिए कि शुरुआती प्रचालनों से संबद्ध लागत में कितना योगदान किया है । जहां तक उत्पादन के हाल के वाणिज्यिकरण के कारण शुरुआती लागत और घाटे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स की परियोजना रिपोर्ट से यह पता चलता है कि उसमें उत्पादन की शुरुआत के पहले ही वर्ष में लाभ प्राप्त हुआ है । यह नोट किया जाता है कि प्रचालनों के प्रथम दो माह के लिए शुरुआती लागत का पूंजीकरण किया गया है । इस प्रकार इससे कंपनी का क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं हुआ है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

24. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

25. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर विचार किया गा है ।

26. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है । नियम-23 में यह उपबंध है कि नियम 11 के उपबंध समीक्षा के मामले में भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों में आवश्यक परिवर्तनों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति निर्धारित की है । इसके अलावा, चूंकि पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया है कि रूस से हुए आयात के उत्पाद पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है ।

प्राधिकारी ने यह भी जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

27. पूर्ववर्ती जांच के समय भारत में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन केवल हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन लि. द्वारा किया जा रहा था। वर्तमान याचिका गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने दायर की है जिसने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु नई उत्पादन क्षमता स्थापित की है और वाणिज्यिक उत्पादन दिसंबर, 2007 में शुरू किया है। अतः प्राधिकारी ने गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. तथा हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण किया है।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

28.. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

29. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड से आयात सूचना प्राप्त की। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश तथा अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा की जांच की थी।

30. देश में उत्पाद की मांग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा समस्त स्रोतों से हुए आयात की राशि के रूप में किया गया है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सित.08 (जांच अवधि)
देश					
रूस	मी.ट.	35	59	57	183
प्रवृत्ति		100	168.57	162.86	522.86
अन्य	मी.ट.	1,386	1,668	2,107	2,134
कुल	मी.ट.	1,421	1,728	2,165	2,317
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	152	163
कुल आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा	%	2.46	3.44	2.64	7.9
भारतीय मांग की तुलना में संबद्ध आयात	%	2.02	2.97	2.43	6.66

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, रूस से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, तथापि सतत आयात हो रहे हैं। इसके अलावा, जांच अवधि में वृद्धि हुई है और यह वृद्धि भारतीय उत्पादन और खपत की तुलना में काफी अधिक है।

32. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, आयात की मात्रा काफी अधिक है, तथापि वह चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा से काफी कम है। यह नोट किया गया है कि चीन और रूस दोनों देशों से हुए आयातों पर ई यू में पाटनरोधी शुल्क लागू है।

आयातों का कीमत प्रभाव

33. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा अत्यधिक हास हुआ है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती। निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच संबद्ध उत्पाद हेतु तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर किया गया है। इस तुलना से यह पता चलता है कि चीन से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही थी।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
आयातों की पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	340.04	354.37	259.50	270.11
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती	रु. किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती	%	18-22	15-20	35-40	15-20

34. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा की गई कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है और यह नोट किया है कि संबद्ध देश से पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत एवं उत्पादन लागत से काफी कम है। इसके अलावा, यद्यपि, संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट में आई गिरावट से काफी अधिक थी। इस प्रकार आयातों से बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत में हास हो रहा है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
बिक्री लागत-घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	115	84
प्रति इकाई बिक्री कीमत	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	98	77
पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	340.04	354.37	259.50	270.11

35 आगे यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा क्षति रहित कीमत से काफी कम है। अतः पाटित आयातों के कारण बाजार में कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

विवरण	इकाई	असहयोगी निर्यातक
आयातों की पहुंच कीमत	अम डा./किग्रा.	6.58
घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत	अम डा./किग्रा.	****
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	अम डा./किग्रा.	****
कम कीमत पर बिक्री की राशि	अम डा./किग्रा.	****
कम कीमत पर बिक्री %	%	70-80

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

36. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। तथापि, वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण संभावना के आधार पर करना अपेक्षित है। इसके अलावा, जहां केवल हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. मूल जांच के समय उत्पादन कर रहा था, वहीं हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक क्षमता के साथ गुजरात फ्लूरो कार्बन्स लि. ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू

किया है और वह भी दिसंबर, 2007 में (अर्थात् जांच अवधि में ही) । घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति के विभिन्न मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :

उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग:

37. घरेलू उद्योग के घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू प्रचालन पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री के संबंध में की गई है ।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
स्थापित क्षमता	मी.ट.	500	500	2,333	5,083
आउटपुट/उत्पादन	मी.ट.	228	245	826	1,478
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	361	647
क्षमता उपयोग	:	45.69	49.00	35.38	29.07
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	77	64
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	308	269	184	433
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	60	141

38. यह नोट किया जाता है कि

(क) क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की क्षमता में अत्यधिक वृद्धि हुई है । जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक स्थापित क्षमता के साथ एक संयंत्र स्थापित किया है ।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और परिणामतः उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है । इन मापदंडों में यह वृद्धि देश में नई उत्पादन सुविधाओं की शुरुआत के कारण हुई है । यह नोट किया जाता है कि देश में नया उत्पादन शुरू करने के बावजूद क्षति अवधि की तुलना में रूस से आयात की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

(ग) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।

(घ) लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार किए बिना रूस से पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा क्षति रहित कीमत से काफी कम है ।

बाजार हिस्सा:

39. घरेलू बिक्री पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की निम्नानुसार जांच की गई है:

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
रूस से आयात	मी.ट.	35	59	57	183
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	1,386	1,669	2,107	2,134
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	308	269	184	433
भारत में कुल मांग	मी.ट.	1,729	1,997	2,349	2,750
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	17.83	13.46	7.84	15.75
रूस का हिस्सा	%	2.02	2.97	2.43	6.66
अन्य देशों का हिस्सा	%	80.15	83.57	89.73	77.59
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

40. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। यद्यपि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच बाजार हिस्से में कुछ वृद्धि हुई है लेकिन वह अभी भी पूर्व में दर्ज बाजार हिस्से से काफी कम है। इसके अलावा, इस तथ्य के मद्देनजर कि जांच वाणिज्यिक उत्पादन हेतु नई उत्पादन सुविधाएं शुरू हुई हैं, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पूर्व में दर्ज स्तर से काफी अधिक वृद्धि होने की आशा थी, जैसा कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित अनुमानों से नोट किया जाता है। तथापि, पाटित आयातों का अभी भी भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में पर्याप्त हिस्सा है।

लाभ/हानि, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय

41. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय निम्नानुसार है: -

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
बिक्री लागत-घरेलू	रुपए किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	115	84

प्रति इकाई बिक्री कीमत-घरेलू	रुपए किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	98	77
लाभ/हानि (पीबीटी)-घरेलू	रुपए किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(94)	(141)	(96)
लाभ/हानि (पीबीटी)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(82)	(84)	(135)
लाभ/हानि (पीबीटी)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(79)	(83)	(123)
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(71)	(94)	(125)
एन एफ ए आधार पर लगाई गई पूंजी पर आय	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(156)	(11)	(9)

42. यह नोट किया जाता है कि

- क. घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हो रहा था। भारी वित्तीय घाटे की मौजूदगी के बावजूद जांच अवधि में स्थिति और खराब हो गई। घरेलू उद्योग को जांच अवधि में अधिक घाटा हुआ है।
- ख. पूर्ववर्ती वर्षों में निवेश पर आय अत्यधिक नकारात्मक थी। यह नकारात्मक बनी हुई है यद्यपि, निवेश पर आय के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है। जांच अवधि में निवेश पर आय में सुधार गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. द्वारा उत्पादन शुरू किए जाने के कारण लगाई गई अत्यधिक पूंजी की वजह से अधिक हो सकता है। यह नोट किया जाता है कि ब्याज पूर्व घाटे में अन्यथा और वृद्धि हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग को समूची क्षति अवधि के दौरान नकारात्मक नकद लाभ हुआ है। इसके अलावा, जांच अवधि में नकद घाटे का स्तर बढ़ा है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

43. आयात कीमत, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करने के बाद पाटित आयातों से इतर कारकों जिनका घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव पड़ सकता है, से यह पता चलता है कि रूस से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। जिससे भारतीय बाजार में कीमत में भारी कटौती हुई है। चीन जन.गण. (भारत से पाटनरोधी शुल्क लागू होने वाला देश) से इतर देशों से हुए आयात काफी अधिक कीमत पर हुए हैं। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है। उत्पाद की मांग

सकारात्मक थी और यह घरेलू उद्योग के समक्ष उपस्थित कीमत ह्रास की स्थिति के लिए जिम्मेवार कारक नहीं हो सकता ।

रोजगार, उत्पादकता तथा मजदूरी

44. घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या, उसकी उत्पादकता और प्रदत्त मजदूरी से निम्नानुसार पता चलता है :-

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं. 08 (जांच अवधि)
रोजगार	संख्या	153	146	167	224
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	109	146
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	165	252
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	1.49	1.68	4.94	6.61
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	331	443

यह देखा जाता है कि रोजगार में वृद्धि हुई है । प्रदत्त मजदूरी में भी वृद्धि हुई है । रोजगार एवं मजदूरी में वृद्धि जांच अवधि के दौरान क्षमता संवर्धन के कारण हुई है । घरेलू उद्योग की उत्पादकता में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है ।

मालसूची

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग के पास संबद्ध वस्तु की मालसूची में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । यद्यपि, यह नोट किया जाता है कि मालसूची में कुछ वृद्धि एक और कंपनी द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किए जाने के कारण हो सकती है । तथापि, मालसूची में हुई यह वृद्धि काफी अधिक है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं.08 (जांच अवधि)
अथ स्टॉक	मी.ट.	112	32	8	3
इति स्टॉक	मी.ट.	32	8	490	414
औसत स्टॉक	मी.ट.	72	20	249	208
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	28	347	290
स्टॉक में बिक्री दिवसों की संख्या	संख्या	38	11	972	349

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	30	2,566	920
-----------	----------	-----	----	-------	-----

पाटन की मात्रा

46. ऊपर निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है और अत्यधिक है। मूल जांच तथा पूर्ववर्ती निर्णायक समीक्षा में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक पाया गया था।

वृद्धि

47. घरेलू उद्योग को कई मापदंडों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। यह दावा किया गया है कि यद्यपि उत्पादन एवं बिक्री मात्रा में कुछ सकारात्मक वृद्धि हुई है, तथापि वह खासकर पर्याप्त नई क्षमताएं जोड़ने के बाद सतत पाटन के अभाव में उस स्तर से कम माना जाता है जिसे घरेलू उद्योग प्राप्त कर सकता था। जांच के आधार पर यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग कई मापदंडों के संबंध में प्रतिकूल वृद्धि का सामना कर रहा है।

वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर)	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
बिक्री मात्रा में वृद्धि	%		(10-15)	(30-35)	130-140
उत्पादन में वृद्धि	%		5-10	230-240	75-85
मांग में वृद्धि	%		10-20	10-20	10-20
प्रति इकाई बिक्री कीमत में वृद्धि	%		2-8	(3-10)	(15-25)
प्रति इकाई बिक्री लागत में वृद्धि	%		(1-3)	10-20	(20-305)
प्रति इकाई लाभ/हानि में वृद्धि	%		3-10	(45-55)	30-40
लाभ में वृद्धि (पीबीआईटी)	%		15-25	(3-10)	(40-50)
नकद लाभ में वृद्धि	%		25-35	30-40	25-35
आर ओ आई में वृद्धि	%		(45-55)	120-130	1-5
मालसूची में वृद्धि	%		(65-75)	1100-1200	(12-22)

नया निवेश जुटाने की क्षमता

48. हालांकि एक घरेलू उद्योग (गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि.) एक बहु उत्पाद कंपनी है जबकि दूसरा (हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि.) मै. एच ओ सी एल, जो भी एक बहु उत्पाद कंपनी है, की एक सहायक कंपनी है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि यह उत्पाद पूंजी गहन है और इस पर पिछले कुछ समय से वित्तीय घाटा हो रहा है। मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने यह दावा किया है कि उसकी योजना विचाराधीन उत्पाद की क्षमता में और

विस्तार करने की है । तथापि, कंपनी सतत प्रतिकूल निष्पादन के कारण समय पर विस्तार करने में सक्षम नहीं रही है ।

क्षति के बारे में निष्कर्ष

49. उपर्युक्त क्षति मापदंडों की जांच करने के बाद और इस तथ्य पर विचार करने के बाद कि चीन और रूस से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यद्यपि रूस से आयात की मात्रा चीन से आयात की मात्रा से काफी कम है । तथापि, आयात मात्रा में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है । यद्यपि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में भारत में मांग/खपत में आयातों के हिस्से में गिरावट आई है, तथापि, वह पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में अभी भी अधिक है । घरेलू उद्योग ने यह आरोप लगाया कि रूस के मामले में बैचमार्क चीन के संबंध में बैचमार्क से अधिक थी जिससे चीन से आयातों को तरजीह दी गई । तथापि, पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में आयात मात्रा में भारी वृद्धि होगी । जांच के आधार पर यह नोट किया जाता है कि मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया । इस प्रकार घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच नई कंपनी द्वारा क्षमता वृद्धि और नए उत्पादन के मद्देनजर की गई है । यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है जिसकी वजह से घरेलू बाजार में कीमत ह्रास हुआ है । आगे यह नोट किया जाता है कि हालांकि उत्पादन व घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई तथापि बाजार हिस्से व क्षमता उपयोग में गिरावट आई है । यह नोट किया जाता है कि रूस से पाटित आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही है । इसके अलावा, रूस से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत के कारण घरेलू बाजार में कीमत ह्रास हुआ है । जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ में गिरावट तथा मालसूची के कारण प्रतिकूल बना हुआ है यद्यपि, उनमें मांग में वृद्धि तथा पूर्व में लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण सुधार हुआ है ।

उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार नहीं हुआ है । घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक और प्रतिकूल बनी हुई है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग को सतत वास्तविक क्षति हुई है ।

सतत क्षति की संभावना

50. वर्तमान जांच रूस से पी टी एफ ई के आयातों पर पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी को यह जांच करनी होती है कि क्या पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाना अपेक्षित है । प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने पर विचार करते समय निम्नलिखित मापदंडों पर विचार किया है :-

- (क) मूल जांच के समय और वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है । पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद उत्पाद का अत्यधिक पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है ।
- (ख) जहां रूस से पाटित आयातों की मात्रा चीन से पाटित आयातों की मात्रा से अधिक नहीं है, वहीं वर्तमान क्षति अवधि की तुलना में इसमें वृद्धि हुई है और यह पर्याप्त है । वर्तमान जांच में आयात की मात्रा मूल जांच अवधि तथा निर्णायक समीक्षा जांच अवधि की मात्रा से भी अधिक है ।

अवधि	आयात की मात्रा (मी.ट.)
1995-96	24.1
1996-97	7
1997-98 (जून, 98 तक)	40.7
1999-00	98
2000-01	109
2001-02	157
POI (प्रथम निर्णायक समीक्षा)	158
2005-06	35
2006-07	59
2007-08	57
Oct-Sep08 (जांच अवधि)	183

(ग) मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमताएं - घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त तथा अन्य पक्षकारों द्वारा अखंडित सूचना से रूस में पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमताओं की मौजूदगी का पता चलता है ।

(घ) यह अनुरोध किया गया है कि रूस से विश्व के विभिन्न देशों को निर्यात काफी मात्रा में किए गए हैं और रूस के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किए गए हैं और यह घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत व क्षतिरहित कीमत (व्यय हेतु आवश्यक समायोजनों के बाद) से कम है । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, जिसमें चीन से निर्यातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती होगी और इस प्रकार रूसी उत्पादकों के लिए विश्व के अन्य बाजारों की तुलना में भारत में बेहतर बाजारी अवसर उपलब्ध होगा ।

मात्रा (किग्रा. (स्रोत: वर्ल्ड ट्रेड एटलस))

रैंक	देश	2006	2007	2008
0	--विश्व --	9616208	9634058	9109613
1	इटली	3776618	3918305	2751896
2	अमरीका	1356231	1845024	1360070
3	रोमानिया	1389600	247890	848700

4	द. कोरिया	907566	1200360	781356
5	स्विटजरलैंड	172800	316830	741600
6	चीन	552706	402269	370170
7	जर्मनी	241200	285110	307360
8	भारत	52561	44669	288010
9	नीदरलैंड	343498	243374	250444
10	कनाडा	144000	234000	216000
11	तुर्की	140940	138469	214185
12	फ्रांस	79824	236808	162618
13	ऑस्ट्रेलिया	0	0	145616
14	यूकेन	111958	149596	132070
15	मैक्सिको	36000	72100	108000
16	ब्राजील	81240	47730	90000
17	वियतनाम	54000	22328	78530
18	सिंगापुर	0	18000	54000
19	जापान	18930	34440	46993
20	चैक गण.	0	0	36905
21	मलेशिया	79968	122528	26656
22	थाईलैंड	22328	6664	22328
23	यूनाइटेड किंगडम	0	28	19080
24	पोलैंड	0	0	18762
25	ताइवान	0	0	18000
26	ईरान	0	45000	18000
27	बुल्गारिया	0	0	2204
28	डेनमार्क	0	0	60
29	हंगरी	5400	0	0
30	कजाकिस्तान	240	1	0
31	माल्टा	48600	0	0
32	उजबेकिस्तान	0	2475	0
33	स्वीडन	0	58	0
34	तजाकिस्तान	0	2	0

औसत कीमत अम.डॉ. प्रति किग्रा. में

रैंक	देश	-/ किग्रा. - 2006	-/ किग्रा. - 2007	-/ किग्रा. - 2008
0	--विश्व --	4.61	5.57	6.16
1	इटली	4.48	5.56	6.24
2	अमरीका	4.38	5.41	6.17

[भाग I—खण्ड 1]

3	रोमानिया	4.93	6.04	6.31
4	द. कोरिया	4.82	5.55	6.03
5	स्विटजरलैंड	5.38	6.29	6.17
6	चीन	4.11	4.77	5.32
7	जर्मनी	4.65	5.72	6.47
8	भारत	5.91	5.49	5.72
9	नीदरलैंड	4.41	6.06	6.43
10	कनाडा	4.69	5.48	5.74
11	तुर्की	4.34	5.93	6.31
12	फ्रांस	4.74	5.55	6.56
13	ऑस्ट्रेलिया	0	0	5.6
14	यूक्रेन	4.36	5.68	6.46
15	मैक्सिको	5.07	5.83	6.34
16	ब्राजील	5.03	6.8	5.6
17	वियतनाम	6.41	6.1	6.79
18	सिंगापुर	0	5.2	5.43
19	जापान	6.82	6.56	6.84
20	चैक गण.	0	0	6.87
21	मलेशिया	5.7	5.75	6.2
22	थाईलैंड	6.03	5.5	6.1
23	यूनाइटेड किंगडम	0	6.43	6.06
24	पोलैंड	0	0	5.55
25	ताइवान	0	0	6.7
26	ईरान	0	6.51	6.63
27	बुल्गारिया	0	0	7.96
28	डेनमार्क	0	0	5.13
29	हंगरी	4.73	0	0
30	कजाकिस्तान	8.33	23	0
31	माल्टा	4.88	0	0
32	उजबेकिस्तान	0	8.89	0
33	स्वीडन	0	1.31	0
34	तजाकिस्तान	0	106.5	0

(ड.) घरेलू उद्योग की अति संवेदनशीलता—यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग को वर्तमान शुल्क के बावजूद वास्तविक क्षति जारी है ।

(च) प्राधिकारी ने रूस के संबंध में दो जांचें और चीन के संबंध में एक जांच की है । समस्त जांचों में पर्याप्त पाटन की मौजूदगी की पुष्टि हुई है ।

(छ) तीसरे देशों को हुए निर्यातों के संबंध में पाटन मर्जिन— यह नोट किया गया है कि तीसरे देशों को हुए निर्यात इस जांच में निर्धारित परिकलित सामान्य मूल्य से काफी कम पर हैं ।

(ज) यह भी दावा किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद पर अन्य देशों में भी पाटनरोधी शुल्क लागू हैं । आगे यह नोट किया गया है कि यूरोप ने पूर्व में चीन और रूस से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लागू किया है । इसके अलावा, अमरीका में इटली तथा जापान से हुए निर्यातों पर भी पाटनरोधी शुल्क लागू हैं । इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण रूसी कंपनियों के लिए भारत को संबद्ध वस्तु का पाटन करने की अधिक प्रेरणा मिलेगी ।

पूर्वोक्त के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि रूस से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन तेज होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है ।

कारणात्मक संबंध

51. पाटनरोधी नियमानुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से भिन्न ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना अपक्षित है को न माना जा सके । इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन एवं घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं । इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमावली में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । यह पाया गया था कि

(क) तीसरे देशों से आयात : प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और रूस से भिन्न देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात की कीमत पाटनरोधी शुल्क के अधीन देशों से आयात कीमत से काफी अधिक है । चीन से पाटित कीमत पर आयात हुए हैं और प्राधिकारी चीन से हुए आयातों के संबंध में एक समानांतर मध्यावधि समीक्षा जांच कर रहे हैं ।

(ख) मांग में कमी : क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है । इसके विपरीत, क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में अत्यधिक सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है ।

(ग.) खपत की पद्धति: प्राधिकारी की जानकारी में खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध किया है ।

(घ) प्रतिस्पर्धा की स्थितियां : अब तक हुई जांच से यह पता नहीं चलता है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के दावे के लिए जिम्मेवार हैं ।

(ङ) प्रौद्योगिकी विकास : अब तक हुई जांच से यह पता नहीं चलता है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

(च) **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन** : यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा वित्तीय घाटे पर भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति निर्यातों में संभावित घाटे के कारण हुई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वह बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण देश में अपने उत्पाद की मांग के अभाव की वजह से भी निर्यात करने के लिए बाध्य हुआ है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कंपनी की निर्यात कीमत भारत में आयात कीमत से काफी अधिक पायी गई है। वस्तुतः निर्यातों के मामले में कीमत घरेलू बिक्री कीमत से अधिक पाई गई है। कंपनी द्वारा कुछेक विकसित देशों सहित विश्व के कई स्थानों को निर्यात किया जा रहा है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू एवं निर्यात बाजार में कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग किया है। अतः निर्यात निष्पादन के संभावित समावेशन के कारण क्षति विश्लेषण अप्रतिनिधिक नहीं है तथा घरेलू उद्योग को क्षति निर्यातों में संभावित विकृति के कारण नहीं हुई है।

(छ) **कार्बन क्रेडिट** : कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग तथा विदेशी उत्पादक क्रेडिट की बिक्री से अच्छा राजस्व कमा रहा है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्रेडिटों का सृजन विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से नहीं हो रहा है।

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति प्रतीत नहीं होती है, तथापि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:

क. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रहने की संभावना है। सकारात्मक कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं द्वारा उच्च मात्रा में आयात किए जाने की संभावना है जिससे घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आ सकती है।

ख. माग में वृद्धि एवं नई क्षमताएं स्थापित करने के बावजूद बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि करने से वंचित हुआ है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आने की संभावना है।

ग. आयात की कम कीमत से घरेलू उद्योग कीमत बढ़ाने से वंचित रह सकता है।

घ. घरेलू उद्योग विगत में हुई क्षति से उबरने के लिए अपनी कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है। आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को सतत वित्तीय घाटा हुआ है और परिणामतः निवेश पर आय तथा नकद लाभ लगातार नकारात्मक रहे हैं। इस प्रकार, लाभ, निवेश पर आय एवं नकद लाभ के कारण सतत प्रतिकूल निष्पादन बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण रहा है। रूस से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्ति से बाजार में घरेलू उद्योग की स्थिति और अधिक खराब होने की संभावना है।

- ड. घरेलू उद्योग के अत्यधिक सतत प्रतिकूल निष्पादन का कारण बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी है ।

अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को सतत क्षति होने की संभावना है ।

क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

53. क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत की तुलना उसी विवरण हेतु सबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । संबद्ध देश के निर्यातकों की भारत औसत पहुंच कीमत तथा उनके क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	असहयोगी निर्यातक
आयातों की पहुंच कीमत	अम. डॉ. प्रति किग्रा.	6.58
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	अम. डॉ. प्रति किग्रा.	****
क्षति मार्जिन	अम. डॉ. प्रति किग्रा.	****
क्षति मार्जिन %	%	70-80

भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

54. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होगा, घरेलू उद्योग का हास रूकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

अंतिम जांच परिणाम:

56. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के जरिए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा वर्तमान पाटन तथा क्षति की स्थिति एवं पाटन तथा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है और रूस से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक तथा न्यूनतम निर्धारित सीमा से ज्यादा है । संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर भारत को निर्यात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जारी है ।
- ii. रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का संवर्धित मात्रा में और पाटित कीमतों पर प्रवेश होने की संभावना है ।
- iii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग की स्थिति में आगे और गिरावट आई है । इसके अलावा, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने और उसमें बढ़ोत्तरी होने की संभावना है ।
- iv. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब हुआ है। इसके अलावा, रूस से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को हुई क्षति जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है ।

57. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि रूस से उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर जारी है, वर्तमान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से लागू पाटनरोधी शुल्क में संशोधन की जरूरत की पुष्टि होती है, इसके अलावा, यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में रूस से पाटन तथा आयातों के कारण क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का मत यह है कि पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप में परिवर्तन अपेक्षित है, लागू उपाय की अवधि को बढ़ाना अपेक्षित है तथा रूस से आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करना अपेक्षित है ।

58. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । क्षति की मात्रा का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है । तदनुसार रूस के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	3904 61	पॉलीटेट्रा फ्लूरो-एथिलीन (पीटीएफई)	कोई	रूस	रूस	कोई	कोई	3.42	किग्रा.	अम.डा.
2.	3904 61	पॉलीटेट्रा फ्लूरो	कोई	रूस	कोई	कोई	कोई	3.42	किग्रा.	अम.डा.
4	3904 61	पॉलीटेट्रा फ्लूरो	कोई	रूस तथा चीन को छोड़कर कोई	रूस	कोई	कोई	3.42	किग्रा.	अम.डा.

59. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 2010

Final Findings (Sunset Review)

Subject : Sunset Review regarding anti-dumping duty imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from Russia.

No. 15/30/2008 DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A Background of the Case

1. The Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on the imports of Polytetrafluoroethylene (hereinafter also referred to as the subject

goods) originating in or exported from Russia (hereinafter also referred to as the subject country) falling under customs Sub heading 390461, Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975 vide notification No. 24/1/98/DGAD, dated 9th June, 1999. The final findings were notified vide notification No. 21/1/98-DGAD dated 13th October, 1999 and definitive anti dumping duty was imposed vide Notification No. 141/99 Customs dated 30/12/1999. The petition in that case was filed by M/s. Hindustan Fluorocarbon Limited. The Authority conducted a sunset review of the said definitive duty and recommended continued imposition of definitive antidumping duty on import of the subject goods from the subject country vide notification No. 15/6/2003-DGAD, dated the 7th October, 2004, such duty was imposed by the Govt. of India vide Customs Notification No. 110/2004 dated 18.11.2004 for a further period of five years. The anti dumping duty has been extended further for a period of one year after initiation of sunset review as per customs notification 2/2010-Customs dated 11th January 2010.

2. The Authority received a duly substantiated application from M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. with a request for extension of duties on the grounds that the expiry of the duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The petitioner submitted prima facie evidence in this regard, substantiating the need for extension of the anti dumping duty in force.

3. Having satisfied itself that the petitioner has produced sufficient positive information substantiating the need for a review and in view of the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of Indian Metal and Ferro Alloys Ltd V/s Designated Authority, Writ Petition (Civil) No. 16893 of 2006, the Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of subject goods originating in or exported from Russia vide Notification No. 15/30/2008-DGAD dated 27th February, 2009 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules.

B. Procedure

4. The procedure described below has been with regard to the investigation:

(a) M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., Noida has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 requesting extension of anti dumping duty in force on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from Russia.

(b) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants issued a public notice dated 15/30/2008-DGAD dated 27th February, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping review investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the said country, to review whether expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The scope of the present review covers all aspects of the previous notification.

(c) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).

- (d) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Government of Russia in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (e) The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4). However, none of the exporters have filed exporter's questionnaire response.
1. Hrast Ltd, P.O. Box No. 17, 203104, Moscow, Russia
 2. Jampack Enterprises Ltd., St. Petersburg, pr. Kosmonavtov, d.35, Russia
 3. Kirovo- Chepetsky Khimichesky Kombinat, 7, Pozharny Lane, Kirovo- Chepetsk 613042, Kirov Region, Russia.
- (f) Following initiation and after public hearing, M/s Halo Polymer, an exporter of the subject goods from Russia responded to the initiation and petition by submitting their exports to India. However, information submitted by them were grossly incomplete and not in the manner of exporters questionnaire.
- (g) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).
- (a) M/s Goenka & Sons, Mumbai
 - (b) M/s Pragati International, New Delhi
 - (c) M/s Venus Industries, New Delhi
 - (d) M/s Mechanical Packing Industries, Mumbai
 - (e) M/s Mach Polymers, Pune
 - (f) M/s Tee Coating Industries, Ahemdabad
 - (g) M/s Pragati Plastic Pvt. Ltd, New Delhi
 - (h) M/s Automate Industries, Ahemdabad
 - (i) M/s Dip Flon Engineering Co., Ahemdabad
 - (j) M/s Plastic Product Engineering Co, Ahemdabad
 - (k) M/s Corrosion Engineers, Ahemdabad.
- (h) However none of importers have filed Importer's Questionnaire response except M/s Guarniflon India Pvt Ltd, which have submitted few annexure to the importers questionnaire. However, comments have been filed by M/s Lakshmi kumaran & Sridharan in respect of following companies
1. Supremo Polymer Industries
 2. TFE Coating industries
 3. Fluorocarbon Processing industries
 4. Manek Fluoro Polymers Pvt Ltd
 5. Packlon Industries.
 6. Kanan Polymer.
 7. Electro polymer industries.
 8. Sanghvi Techno Products.

9. Dip Flon Engg & Co.
10. Plastic products engg company
11. Fluoroflon Industry
12. Dhvani Polymer Industries.
13. jayhind polymers.
14. Angana International.
15. Aflon engg Corporation.
16. T&F Insulations Pvt Ltd.
17. Tefkot Cable Company

(i) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

(i) Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.

(j) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations.

(k) Information was sought from the applicant and other domestic producer to determine non-injurious price based on the optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

(l) The Authority held a public hearing on 29.10.09 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been considered, to the extent considered relevant;

(m) On the spot verification of the data provided by the applicant and domestic industry was carried out to the extent considered necessary.

(n) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in present Final Findings.

(o) Investigation has been carried out for the period starting from 1st October 2007 to 30th September 2008 (also referred to as the period of investigation or POI). However, injury analysis covers the years 2005-06, 2006-07, 2007-08 & POI.

(p) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

Product under consideration and like article

5. The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (also referred to as PTFE) originating in or exported from Russia. PTFE is produced in various grades, such as molding grade, fine powder, aqueous dispersions and compound grades of filled grades. All grades that were included in the scope of the previous case and current duties are within the scope of the present review. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non toxic, non flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

6. The Polytetrafluoroethylene (PTFE) is classified under subheading no 390461 under Customs tariff Act and at subheading no. 39046100. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigations.

Views of the Domestic Industry

7. The present investigation being the sunset review, the scope of the product under consideration must remain same as that in the original investigation. Whereas only M/s Hindustan Fluorocarbon Limited was the only producer at the time of the investigation, the product is now being produced by M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. as well. For this added reason, there is no reason to review the product scope. The domestic industry claimed that there is no known difference between the products manufactured by them and the subject goods imported from the subject country. The domestic industry also claimed that the technology and primary production process employed by them and the foreign producers are comparable; even though every producer fine-tunes its production process based on available facilities and necessities.

Views of the Importers

8. It has been argued by the responding importers, that the scope of the product under consideration is too broad as the notice of initiation includes all the grades of PTFE whereas the applicant M/s Gujarat Fluorochemicals limited produces only one grade of PTFE, i.e., Granular Resin.

Examination by the Authority

9. The present investigations are sunset review investigations. Anti dumping duties are in force on imports of PTFE on the basis of recommendations earlier made by the Authority. Hindustan Fluorocarbon Limited comprised domestic industry in the previous investigations. While the present petition was filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., Hindustan Fluorocarbon Limited has cooperated with the Authority and has provided all relevant information. The Authority considers that the scope of the product under consideration in the present sunset review need neither be enhanced, nor curtailed, particularly when the need for the same has not been established by an interested party. In the present investigations, the domestic industry comprises of Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbon Limited. Hindustan Fluorocarbon Limited constituted

the domestic industry at the time of previous investigations. It was established in this investigations that the domestic industry produces and supplies like article to the product under consideration. Since both Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbon Limited have cooperated with the Authority in the present investigations and have provided all relevant information, the scope of product under consideration and like articles is required to be decided based on the goods produced and supplied by these two companies. Subsequent to the disclosure statement, the domestic industry as well as exporter and importers have reiterated their views as made earlier in their submissions. After examining the submissions and verifications of domestic industry, it is noted that the domestic industry manufactures the domestic like product to the product under consideration as defined in this disclosure statement.. Therefore, for the purpose of the sunset review , the scope of the product under consideration remains the same as defined in the original investigations and as mentioned in the para as above.

Domestic Industry and Standing

10. The application has been filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., Noida. Further, M/s Hindustan Fluorocarbon Limited, Hyderabad, has cooperated in the present investigation and provided all relevant information. In the original investigations, Hindustan Fluorocarbon Limited had filed the petition before the Designated Authority.

11. M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., has set up a new plant for production of PTFE with an installed capacity of 5500 MT, which commenced commercial production in December 2007. Capacity and production of Gujarat Fluorochemicals Ltd., in the current investigation period is significantly higher than Hindustan Fluorocarbon Limited. The Authority notes that production by Gujarat Fluorochemicals Ltd., and Hindustan Fluorocarbon Limited accounts for 100% of the production of the subject goods in India. In response to the disclosure statement, the exporter and importers have objected to the fact that M/s HFL had entered the anti dumping proceedings after the public hearing and interested parties were not notified about the submissions of M/s HFL till the issuance of the disclosure statement. After examining the issues, it is noted that M/s HFL had participated in the public hearing and had submitted the information as per the domestic industry proforma and a copy of the non confidential version of the same was duly placed in the public file for information to all concerned interested parties. The Authority therefore considers M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd (GFL) ., and Hindustan Fluorocarbon Limited (HFL) as domestic industry for the purpose of the present investigations.

Confidentiality

12. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied with regard to claim on confidentiality, the same has been allowed.

Submissions and issues raised

13. The Authority notes that none of the interested parties have filed questionnaire responses. However, following importers have filed their responses through M/s Lakshmi Kumaran and Sridharan. Even though these responses clearly states that these

are in respect of parallel investigations relating to China, the Authority has considered it appropriate to rely upon these for the present investigations as well, in so far as the same are relevant for the present investigations.

- i. Supremo Polymer Industries
- ii. TFE Coating Industries
- iii. Fluorocarbon Processing Industries
- iv. Manek Fluro-Polymers private Limited
- v. Packlon Industries
- vi. Kanan Polymer
- vii. Electro Polymers Industries
- viii. Sanghvi Techno Products
- ix. Dip-Flon Engg. & Co.
- x. Plastic products Engineering Company
- xi. Fluoroflon Industry
- xii. Dhwani Polymer Industries
- xiii. Jayhind polymers
- xiv. Angana International
- xv. Aflon engineering Corporation
- xvi. Tefkot Cable Company
- xvii. T & F Insulations Pvt Ltd.

14. Views expressed by the interested parties have been appropriately taken into account in the present disclosure statement.

Determination of Dumping Margin

Under Section 9A(1)c of the Customs Tariff Act 1975, normal value in relation to an article means:

1. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
2. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - a. Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - b. The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)".

provided that in the case of imports of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

15. The Authority sent questionnaires to the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). A copy of the initiation notification, letter addressed to the exporters and questionnaire, seeking relevant information was also sent to the Govt. of Russia. None of the exporters have responded to the questionnaire in the form and manner prescribed.

Normal Value & Export Price:

16. In view of non-cooperation from any exporters from the subject country, the Authority has no option but to proceed on the basis of best information available in view of non-cooperation from the Russian exporters. Efforts were made to determine normal value on the basis of selling prices in the domestic market of Russia. While petitioner stated that there are no magazine/journals reporting prices of the product under consideration in Russia, research made by the Authority did not show any material evidence of prevailing prices in Russia. It is however noted that information available on website shows price offers of US\$ 45-50 per kg., adoption of which will result in significantly high dumping margin. Since this information would have been to the disadvantage of the Russian exporters, the Authority has not adopted this price. The prices from Russia to third country can also not be adopted for want of cooperation from Russian exporters and the claim by the domestic industry that the Russian exports to third country were also at similar price range and were at dumping prices (as also established by imposition of anti-dumping duties on exports of PTFE from Russia to Europe). In view of the same, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of best available information i.e. estimate of cost of production.

17. It is also noted that the claim made by the applicant with regard to determination of normal value has also not been disputed by the exporter or other interested parties. Under the circumstances, normal value under the rules has been constructed on the basis of facts available as per rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. Therefore, the information available on the cost of the production has been taken as the basis of the determination of normal value, after additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit.

Material Cost	****
Utility Cost	****
Conversion cost	****
SGA	****
Finance Cost	****
Profit Margin @ 5%	****
Normal Value (Rs. per Kg)	****
Exchange rate for INR to USD	****

Constructed Normal Value (US\$ per Kg)	9.25
---	------

18. In view of non-cooperation from any exporters from the subject country, the Authority has no option but to proceed on the basis of best information available. The Authority has considered information relating to imports on the basis of DGCI&S, Russian Customs data (as per World Trade Atlas) and IBIS. It is noted that Russian Customs data is available on calendar year basis and no month-wise breakdown is available. The export price for the POI, therefore, can not be determined based on Russian customs data. Since DGCI&S covers all Customs Ports in the country, whereas IBIS covers only selected Ports and further since DGCI&S information is found to be more exhaustive than IBIS information, the Authority propose to determine export prices on the basis of DGCI&S information.

19. Export price has been accordingly determined on the basis of available data from DGCI&S. Weighted average export price has been determined considering total volume and value of imports of the product under consideration. The export price so determined is at CIF level. The same has been adjustments for ocean freight, marine insurance, inland freight in Russia, port expenses in Russia on the basis of facts available in view of non cooperation from the Russian exporters.

SN	Particular	All Russian producers/exporters
1	CIF export price	6.04
2	Less : Expenses from CIF to ex-factory	0.21
3	Ex-factory price	5.83

Dumping Margin:

20. Dumping margin has been determined considering the normal value and export price determined, as detailed above. Dumping margin comes as under:-

	Unit	Any Russian producer/ exporter
Constructed Normal value	US\$/kg	9.25
Net Export price	US\$/kg	5.83
DM \$	US\$/kg	3.42
DM%	%	58.65

INJURY DETERMINATION

Views of Domestic Industry

21. The Domestic Industry has submitted that subject goods from China and Russia have caused injury to the Domestic Industry as is evident from the following:

- (a) In case of Russia, imports continued in significant volumes.
- (b) In case of China, imports increased significantly as compared to original investigation period.
- (c) The increase in imports from China is inspite of imposition of anti dumping duties.
- (d) In case of China, share of imports has remained very significant in relation to demand/consumption in India.
- (e) The significant volume of China imports are inspite of significant capacities and production within the Country.
- (f) Imports from China and Russia (both individually) are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Imports are causing price suppression in the prices of the subject goods in the domestic market. Imports are resulting in price underselling.
- (g) Performance of the domestic industry continues to be adverse. In fact, the domestic industry has been prevented from utilizing its capacities. Even when domestic industry has kept production at low levels, the inventories have sky rocketed to 8-10 months sales. Sales volumes are materially low as compared to the demand in the Country. The domestic industry is suffering significant financial losses, negative return on investment and cash profits.
- (h) Performance of the domestic industry is materially below the projections in its project report.
- (i) Capacity utilization of the Domestic Industry has declined.
- (j) Market share of the subject goods in the domestic market has shown a decline.
- (k) Losses have first reduced but have increased again.
- (l) Sales volumes have increased. However, the profitability has significantly declined.
- (m) Return on capital employed has first improved but then have deteriorated again.
- (n) Growth is showing a negative trend.
- (o) Cash profit first improved but then have later deteriorated.
- (p) Employment & wages have shown a positive trend.
- (q) With regard to ability to raise capital, one of the petitioner companies is having a negative impact; whereas the other being a multi-product company, is not showing any significant negative impact.

22. Views of Importers & Users

Views expressed by the importers & users are as follows –

- (a) Constructed Normal Value: no evidence has been provided to substantiate claims regarding consumption factor, raw material, utility, conversion costs
- (b) Export price – no evidence has been provided to substantiate claims regarding adjustments to net export price. As the net export price calculation relates to imports into India, the same cannot be treated as confidential.
- (c) Gujarat Fluorochemicals Ltd. began production only in 2007. Thus data supplied by them for 10 months becomes insufficient. The company, being at its initial stage, is bound to face difficulties.
- (d) Petitioner has compared the data for POI with previous year, which is just four months i.e.; Dec07-Mar 08.
- (e) Market share and sales of domestic industry have shown improvement in the POI.
- (f) Balance sheet of Gujarat Fluorochemicals Ltd. for period 2007-08 & 2008-09 shows improvement in production, captive consumption, and sales despite of fall in demand.
- (g) According to 2008-09 annual report of Gujarat Fluorochemicals Ltd., it continues its strong presence in carbon credit market.
- (h) There is no causal link in the light of dramatic increase in total domestic sales (493%) and market share (588%) and significant fall in domestic demand (-11.6%).
- (i) In the period Dec.07 –Mar 08, the fact that such a sharp increase in output lagged behind the increase in installed capacity demonstrates that the slight decrease in capacity utilization is due to over ambitious capacity additions and not due to increase in imports from the subject country.
- (j) Losses, if any, are due to Gujarat Fluorochemicals Ltd. being at nascent stage and there were huge imports from rest of the world.
- (k) While arriving at the cause of injury authority should take under consideration, the export performance of Gujarat Fluorochemicals Ltd. More than 50% of its production is meant for exports. Any fall in exports will have a direct effect. Further, any reduction in export prices would lead to under absorption of fixed costs and thus lead to additional losses.

23. The Authority has examined the views of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. It is noted that

- (a) With regard to increase in market share and sales of the domestic industry, the Authority notes that the applicant commenced commercial production in the investigation period. Therefore, some increase in the sales volumes of the domestic industry and consequent increase in the market share is a consequence of this commencement of production.
- (b) The Authority notes that the petitioner determined normal value on constructed cost of production basis, pleading non-availability of relevant information in public domain. As regards disclosure of various components of constructed normal value, since business sensitive data of the petitioner company has been used to determine normal value, the same cannot be disclosed to other interested parties. As regards evidence of price adjustments, the petitioner clarified that the same were based on most reasonable and conservative basis.

- (c) With regard to the period for which injury data has been made available, the Authority notes that while Gujarat Fluorochemicals Ltd. has commercial production only for this period, Hindustan Fluorocarbon Limited was in production for the entire injury period. The company has provided information relevant to injury assessment. Therefore, the injury to the domestic industry has been examined for investigation period and three preceding years in the present investigations.
- (d) With regard to determination of non injurious price after giving credit for carbon credits, the Authority notes that the non injurious price has been determined on the basis of records maintained by the domestic industry in accordance with Generally Accepted Accounting Principles. Raw materials required for production of the product under consideration does not provide any benefit of carbon credits. Carbon credits are received on account of HFC-23 (also known as R-23), which is not a raw material in production of the product under consideration. Further, since the domestic industry is captively producing R-22, the Authority is required to consider market price of R-22. The cost of production of R-22 is therefore in any case not relevant for determination of non injurious price of PTFE.
- (e) As regards performance of GFL reported in the Annual Report, the Authority observes that GFL is a multi product company. Further, the company has significant domestic and export operations. The Authority has relied upon information relating to the product under consideration alone for the purpose of injury determination. The performance reflected in published financial results therefore may not be relevant or indicative of the performance of the product under consideration.
- (f) With regard to commencement of commercial production by Gujarat Fluorochemicals Ltd. in the investigation period and short period of the same, the Authority notes that –
- Petitioner has provided its injury information to the extent it has been in commercial production. Petitioner has provided information for the subsequent period in its subsequent submissions to show the performance to the maximum extent available;
 - Petitioner has provided information from its project report on the basis of which the present plant was conceived, which shows that the performance achieved so far is far adverse as compared to the performance envisaged in the project report.
 - Even if the non-injurious price envisaged in the project report is considered, it is seen that landed price of import is substantially below such non-injurious price. In the context of Gujarat Fluorochemicals Ltd., given that the company has commenced commercial production in the current POI, the relevant thing is whether the performance of the domestic industry is being adversely affected by continued dumping of the

product, or whether the performance of the company is likely to be adversely affected by recurrence of dumping in case the present anti dumping duties are revoked.

- It has been contended by importers and exporter that Authority should examine to what extent and whether costs associated with start up operations contributed to the injury. As regards start up costs and losses due to recent commercialization of production, the Authority notes that the project report of the Gujarat Fluorochemicals Ltd. shows that the same had projected profit in the very first year of commencement of production. It is noted that start up costs for first two months of the operations have been capitalized. Hence, the same has not affected the injury analysis of the company.

Examination by the Authority

24. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

25. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

26. The present investigations are sunset review investigations of anti dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply mutatis mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on the product on imports from Russia is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has also examined whether existing measure is required to be extended to counteract the likelihood of dumping causing injury.

27. The product under consideration was being produced in India only by Hindustan Fluorocarbon Limited at the time of previous investigations. The present petition has been filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., who has set up a new production facility for production of the product under consideration and commenced commercial production in Dec., 2007. Therefore, the Authority has

determined injury to the domestic industry by considering information relating to Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbon Limited.

Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

28. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

29. The Authority received import information from DGCI&S. The Authority examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the import data provided by DGCI&S data for the purpose of the present findings.

30. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Country					
Russia	MT	35	59	57	183
Trend		100	168.57	162.86	522.86
Others	MT	1,386	1,668	2,107	2,134
Total	MT	1,421	1,728	2,165	2,317
Trend	Indexed	100	122	152	163
Share of subject country in total imports	%	2.46	3.44	2.64	7.9
Subject imports in relation to Indian Demand	%	2.02	2.97	2.43	6.66

31. The Authority notes that even though anti dumping duties are in place on imports from Russia, there are continued imports. Further, the imports have shown increase in the POI and are significant in relation to Indian production and consumption.

32. It is noted that while volume of imports is significant, the same is much lower than volume of dumped imports from China PR. It has been submitted that both Chinese as well as Russian imports are attracting anti-dumping duties in EU.

Price effect of imports

33. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade. This comparison showed that imports from subject country were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Landed price of imports	Rs. Kg	340.04	354.37	259.50	270.11
Net Sales Realization	Rs. Kg	****	****	****	****
Price Undercutting	Rs. Kg	****	****	****	****
Price Undercutting	%	18-22	15-20	35-40	15-20

34. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry and notes that the landed value from subject country is significantly below the cost of production and non-injurious price of domestic industry. Further, while cost of production of the subject goods declined, the decline in the selling price of the domestic industry was far more than the decline in the cost of production. The imports are thus depressing the prices of the subject goods in the market.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Cost of sales - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	99	115	84
Selling Price per unit - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	98	77
Landed Price	Rs. Kg	340.04	354.37	259.50	270.11

35. It is further noted that the landed price of dumped imports from subject country are significantly below the cost of production and non injurious price of

the domestic industry. The imports therefore resulting in price underselling in the market.

Particulars	Unit	Non-cooperating exporters
Landed price of imports	US\$ per Kg	6.58
Cost of production of Domestic industry	US\$ per Kg	****
Non injurious price of the domestic industry	US\$ per Kg	****
Price underselling amount	US\$ per Kg	****
Price underselling %	%	70-80

Economic parameters of the domestic industry

36. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. However, the present investigations being a sunset review investigations, injury to the domestic industry is required to be assessed on likely hood basis. Further, whereas only Hindustan Fluorocarbon Limited was in production at the time of original investigations, Gujarat Fluorochemicals Ltd. with a capacity significantly higher than Hindustan Fluorocarbon Limited has commenced commercial production, that too in Dec., 2007 (i.e., in the investigation period itself). The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, sales and capacity utilization:

37. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Installed capacity	Mt	500	500	2,333	5,083
Output/Production	Mt	228	245	826	1,478
Trend	Indexed	100	107	361	647
Capacity Utilization	%	45.69	49.00	35.38	29.07
Trend	Indexed	100	107	77	64
Sales of Domestic Industry	MT	308	269	184	433
Trend	Indexed	100	87	60	141

38. It is noted that
- Capacity for the product under consideration has significantly enhanced. As stated earlier, Gujarat Fluorochemicals Ltd. has set up a plant with installed capacity significantly higher than Hindustan Fluorocarbon Limited.
 - Sales volumes of the domestic industry and consequently its production has increased. The increase in these parameters is due to commencement of new production facilities in the Country. It is noted that the volume of Russian imports has significantly increased over the period inspite of commencement of fresh production in the Country.
 - Capacity utilization of the domestic industry has declined.
 - The landed price of dumped imports from Russia without considering prevailing anti dumping duties is significantly below the cost of production and non injurious price of the domestic industry.

Market share:

39. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares of the domestic industry have been examined as follows:

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Import from Russia	MT	35	59	57	183
Import from other countries	MT	1,386	1,669	2,107	2,134
Sales of domestic industry	MT	308	269	184	433

Total Demand in India	MT	1,729	1,997	2,349	2,750
Market share in Demand					
Share of Domestic Industry	%	17.83	13.46	7.84	15.75
Share of Russia	%	2.02	2.97	2.43	6.66
Share of other countries	%	80.15	83.57	89.73	77.59
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

40 It is noted that the market share of the domestic industry has declined. Even though the market share increased to some extent in the investigation period as compared to previous year, the same is still substantially lower than the market share registered earlier. Further, given that new production facilities commenced commercial production in the investigation period, the market share of the domestic industry was expected to have increased much higher than the levels registered earlier, as is noted from the projections in the annual report of Gujarat Fluorochemicals Ltd.,. However, dumped imports are still having significant share in the demand for the product under consideration in India.

Profits/Loss, cash flow and return on investments

41. Profits, cash flow and return on investments earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows: -

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Cost of sales - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	99	115	84
Selling Price per unit - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	98	77
Profit/Loss (PBT) - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(94)	(141)	(96)
Profit/Loss (PBT)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(82)	(84)	(135)
Profit/Loss (PBIT)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(79)	(83)	(123)
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(71)	(94)	(125)
Return on Capital Employed on NFA	%	****	****	****	****

basis					
Trend	Indexed	(100)	(156)	(11)	(9)

42. It is noted that

- (a) The domestic industry was suffering significant financial losses. In spite of existing significant financial losses, the situation deteriorated further in the investigation period. The domestic industry reported higher losses in the investigation period.
- (b) Return on investment was significantly negative in earlier years. The same continued to be negative, even though the position with regard to return on investment has improved. The improvement in return on investment in the POI could be more on account of addition of significant capital employed due to commencement of production by Gujarat Fluorochemicals Ltd. It is noted that loss before interest has otherwise further increased.
- (c) The domestic industry has suffered negative cash profits throughout the injury period. Further, the level of cash losses have increased during the investigation period.

Factors affecting prices

43. Consideration of the import prices, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported dumped material from Russia are significantly below the selling price of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market. Imports from other countries other than China PR (country attracting anti dumping duty from India) are at higher prices. There is no viable substitute to this product. Demand for the product was positive and could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry.

Employment, productivity and wages

44. Number of employees employed by the domestic industry, its productivity and wages paid shows as follows

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Employment	Nos.	153	146	167	224
Trend	Indexed	100	95	109	146
Wages	Rs.Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	96	165	252
Productivity per employee	Mt	1.49	1.68	4.94	6.61
Trend	Indexed	100	113	331	443

It is seen that employment has increased. Wages paid have also increased. The increase in employment and wages is because of addition of capacities during the investigation period. Productivity of the domestic industry has shown significant improvement.

Inventories

45. Authority notes that inventories of the product with the domestic industry have shown a significant increase in the POI. While it is noted that some increase in inventories could be due to one more company commencing production, the increase in the inventories is too significant.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Opening Stock	Mt	112	32	8	3
Closing Stock	Mt	32	8	490	414
Average Stock	Mt	72	20	249	208
Trend	Indexed	100	28	347	290
Number of days sales in stock	Nos.	38	11	972	349
Trend	Indexed	100	30	2,566	920

Magnitude of Dumping

46. The dumping margin determined are above de minimis level and are quite significant. Dumping margin determined in original investigation as also previous sunset review was also found quite significant.

Growth

47. The domestic industry continues to face negative growth in terms of a number of parameters. It has been claimed that even when production, sales volumes, market share have shown some positive growth, the same is far below the levels that the domestic industry could have achieved in the absence of continued dumping, particularly after addition of significant fresh capacities. On the basis of the examination, it is considered that the domestic industry is facing adverse growth in respect to number of parameters.

Growth (year to year basis)	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Growth in sales volume	%		(10-15)	(30-35)	130-140
Growth in production	%		5-10	230-240	75-85
Growth in demand	%		10-20	10-20	10-20

Growth in selling price per unit	%		2-8	(3-10)	(15-25)
Growth in Cost of sale per unit	%		(1-3)	10-20	(20-305)
Growth in profit/loss per unit	%		3-10	(45-55)	30-40
Growth in Profits (PBIT)	%		15-25	(3-10)	(40-50)
Growth in Cash Profit	%		25-35	30-40	25-35
Growth in ROI	%		(45-55)	120-130	1-5
Growth in Inventories	%		(65-75)	1100-1200	(12-22)

Ability to raise fresh investment

48. While one of the domestic industry (Gujarat Fluorochemicals Ltd.) is a multi product company, the other (Hindustan Fluorocarbon Limited) is a subsidiary of HOCL, which is also a multi product company. The domestic industry has claimed that the product is a capital intensive product and has been suffering financial losses for quite some time. M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. has claimed that it has plans to further expand the capacities for the product under consideration. However, the company is not able to timely carry out the expansions in view of continued adverse performance.

Conclusions on injury

49. The examination of above injury parameters and considering the fact that the anti dumping duties are in place on imports from China and Russia, the Authority concludes that even though the volume of imports from Russia is much lower than the volume of imports from China, still, the volume of imports is significant both in absolute terms and relative to production and consumption in India. The domestic industry alleged that the benchmark in case of Russia was higher than the benchmark in respect of China, resulting in preference to imports from China. However, should the present anti dumping duties be revoked, the volume of imports would increase substantially. On the basis of the examination, it is noted that M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. commenced commercial production during the POI. Thus, injury to the domestic industry has to be examined in the light of addition of capacities and fresh production by new company. It is noted that the dumped imports of the subject goods from subject country have been undercutting the domestic selling prices, which has resulted in price depression in the domestic market. It is further noted that even though production & domestic sales increased, the market share and capacity utilization has deteriorated. It is noted that dumped imports from Russia have been undercutting the domestic prices. Further, the landed prices of subject goods from Russia have caused price depression in the domestic market. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is noted that performance of the domestic industry continued to remain adverse on account of decline in capacity utilization, market share, profits, return on investment, cash profits and inventories though the same should have improved as a result of increase in demand and imposition of anti dumping duties earlier.

On the basis of above analysis, the Authority concludes that the performance of the domestic industry has not improved. The situation of the domestic industry has remained fragile and adverse. Further, the domestic industry has suffered continued material injury.

Likelihood of continued injury

50. The current investigations are sunset review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of PTFE from Russia. Under the Rules, the Authority is required to determine whether the anti-dumping duty in force is required to be extended further. The Authority proposes to consider following parameters while considering extension of anti-dumping duties –

- (a) Dumping margin determined at the time of original investigation and the current investigation are significant. The product continues to be exported at significantly dumping prices in spite of imposition of anti-dumping duties;
- (b) While volume of dumped imports from Russia is not as high as dumped Chinese imports, the same is significant and has shown increase over the current injury period. The volume of imports in the current investigation period is higher than even than the original investigation period and sunset review investigation period.

Period	Volume of imports (MT)
1995-96	24.1
1996-97	7
1997-98 (till June, 98)	40.7
1999-00	98
2000-01	109
2001-02	157
POI (first sunset review)	158
2005-06	35
2006-07	59
2007-08	57
Oct-Sep08 (POI)	183

- (c) Freely disposable production capacities – The information provided by the domestic industry and not refuted by other parties shows existence of significant unutilised capacities in Russia.
- (d) It has been submitted that exports of the product from Russia to various countries in the world are quite significant and are at a price lower than the normal value established for Russia and selling price & non injurious price of the domestic industry (after necessary adjustments for expenses). The domestic industry has argued that revocation of Anti dumping duty will lead to a situation where exports from Russia would significantly undercut the prices of the domestic

industry and thus would provide Russian producers better market opportunity in India vis-à-vis other global markets.

Volumes (kgs) (source: World Trade Atlas)

Rank	Country	2006	2007	2008
0	--The World--	9616208	9634058	9109613
1	Italy	3776618	3918305	2751896
2	United States	1356231	1845024	1360070
3	Romania	1389600	247890	848700
4	Korea, South	907566	1200360	781356
5	Switzerland	172800	316830	741600
6	China	552706	402269	370170
7	Germany	241200	285110	307360
8	India	52561	44669	288010
9	Netherlands	343498	243374	250444
10	Canada	144000	234000	216000
11	Turkey	140940	138469	214185
12	France	79824	236808	162618
13	Austria	0	0	145616
14	Ukraine	111958	149596	132070
15	Mexico	36000	72100	108000
16	Brazil	81240	47730	90000
17	Vietnam	54000	22328	78530
18	Singapore	0	18000	54000
19	Japan	18930	34440	46993
20	Czech Republic	0	0	36905
21	Malaysia	79968	122528	26656
22	Thailand	22328	6664	22328
23	United Kingdom	0	28	19080
24	Poland	0	0	18762
25	Taiwan	0	0	18000
26	Iran	0	45000	18000
27	Bulgaria	0	0	2204
28	Denmark	0	0	60
29	Hungary	5400	0	0
30	Kazakhstan	240	1	0
31	Malta	48600	0	0
32	Uzbekistan	0	2475	0
33	Sweden	0	58	0
34	Tajikistan	0	2	0

Average price in US\$ per Kg

Rank	Country	-/ KG - 2006	-/ KG - 2007	-/ KG - 2008
0	--The World--	4.61	5.57	6.16
1	Italy	4.48	5.56	6.24
2	United States	4.38	5.41	6.17
3	Romania	4.93	6.04	6.31
4	Korea, South	4.82	5.55	6.03
5	Switzerland	5.38	6.29	6.17
6	China	4.11	4.77	5.32
7	Germany	4.65	5.72	6.47
8	India	5.91	5.49	5.72
9	Netherlands	4.41	6.06	6.43
10	Canada	4.69	5.48	5.74
11	Turkey	4.34	5.93	6.31
12	France	4.74	5.55	6.56
13	Austria	0	0	5.6
14	Ukraine	4.36	5.68	6.46
15	Mexico	5.07	5.83	6.34
16	Brazil	5.03	6.8	5.6
17	Vietnam	6.41	6.1	6.79
18	Singapore	0	5.2	5.43
19	Japan	6.82	6.56	6.84
20	Czech Republic	0	0	6.87
21	Malaysia	5.7	5.75	6.2
22	Thailand	6.03	5.5	6.1
23	United Kingdom	0	6.43	6.06
24	Poland	0	0	5.55
25	Taiwan	0	0	6.7
26	Iran	0	6.51	6.63
27	Bulgaria	0	0	7.96
28	Denmark	0	0	5.13
29	Hungary	4.73	0	0
30	Kazakhstan	8.33	23	0
31	Malta	4.88	0	0
32	Uzbekistan	0	8.89	0
33	Sweden	0	1.31	0
34	Tajikistan	0	106.5	0

- (e) Vulnerability of the domestic industry – It has been submitted that the domestic industry continues to suffer material injury in spite of current duties.
- (f) The Authority has conducted two investigations in respect of Russia and one investigation in respect of China. All the investigations have established existence of significant dumping.
- (g) Dumping margin in respect to exports to third countries- It has been noted that the exports to third countries are materially below the constructed normal value determined in this investigation.
- (h) It has also been claimed that the product under consideration is also attracting anti-dumping duties in other countries. It is further noted that Europe has earlier imposed anti-dumping duties on imports of the product under consideration from China and Russia. Further, exports from Italy and Japan are also attracting anti-dumping duties in USA. Thus, it is noted that with the anti dumping duties in place from other countries, there would be greater incentive for the Russian companies to dump the subject goods to India.

On the basis of the foregoing, it is concluded that revocation of Anti dumping duties on imports from Russia is likely to lead to intensified dumping and consequent injury to the domestic industry.

Causal Link

51. As per the AD Rules, the Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that

- (a) **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that price of imports of the product under consideration from countries other than China and Russia are significantly higher than the import price from the countries attracting anti dumping duties. Imports from China are at dumping prices and the Authority is conducting a parallel mid term review investigations in respect of imports from China.
- (b) **Contraction in Demand:** - There is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period.
- (c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.

- (d) **Conditions of competition:** - The investigation so far has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- (e) **Developments in technology:** - The investigation so far has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- (f) **Export performance of the domestic industry:** - It has been argued that the domestic industry has been exporting significant exports at financial losses and injury to the domestic industry is due to possible losses in its exports. The domestic industry has contended that they are being forced to export only because of lack of demand for their product in the Country because of presence of dumped imports in the market. It is noted that the export volumes of the domestic industry have increased. Further, the export price of the company has been found far higher than the import price in India. In fact, the price in case of exports is found higher than the domestic selling price. The company has been exporting to a number of destinations in the World, including some of the developed countries. Further, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance and injury to the domestic industry is not due to possible deterioration in exports.
- (g) **Carbon credits** - Some of the interested parties have argued that the domestic industry and foreign producers are earning good revenue from sale of carbon credits. The Authority however notes that the carbon credits are not being generated from production and sale of the product under consideration.

52. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry is likely due to dumped imports:

- a. The landed prices of imports, without present anti dumping duties, is likely to be lower than the selling price of the domestic industry. As a result of positive price undercutting, the consumers are likely to resort to higher volume of imports and is likely to lead to decline in market share of the domestic industry.
- b. Decline in market share has prevented the domestic industry from increasing their production and capacity utilization inspite of increase in demand and setting up of new capacities. Revocation of anti dumping duty is likely to lead to decline in the market share of the domestic industry.
- c. Lower import prices are likely to prevent the domestic industry from increasing their prices.
- d. The domestic industry has not been able to increase its prices in order to come out of the injury suffered in the past. Price depression effect of the imports has resulted in continued financial losses to the domestic industry and consequently continued negative return on investment and cash profits. Thus, continued adverse performance on account of profits, return on investments and cash profits is due to presence of dumped imports in

the market. Revocation of anti dumping duty on imports from Russia is likely to further deteriorate the situation of the domestic industry in the market.

e. Significant continued adverse performance of the domestic industry is due to presence of dumped imports in the market.

The Authority therefore, concludes that revocation of anti dumping duty is likely to lead to continued injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and Article 3.5 of Agreement of Anti- dumping.

Magnitude of Injury and injury margin

53. The non-injurious prices for the subject good has been compared with the landed value of the exports from the subject country for the same description for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exporters from the subject country and their injury margins have been worked out as follows:

Particulars	Unit	Non cooperating exporters
Landed price of imports	US\$ per Kg	6.58
Non injurious price of the domestic industry	US\$ per Kg	****
Injury margin	US\$ per Kg	****
Injury margin %	%	70-80

Indian industry's interest & other issues

54. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

55. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

FINAL FINDINGS:

56. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from Russia is significant and above de-minimis limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
- ii. Considering the facts available on record, the subject goods are likely to enter Indian market at enhanced volumes and at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- iii. The domestic industry continues to suffer injury in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- iv. The deterioration in the performance of the domestic industry is because of dumped imports. Further, revocation of anti dumping duty on imports from Russia is likely to lead to continued & intensified injury to the domestic industry.

57. Having concluded that the product continues to be exported at dumped prices from Russia, the current dumping margin and injury margin establishes the need for revision in the anti-dumping duty in force. Also, after having concluded that the domestic industry continues to suffer injury and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from Russia, if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the form of anti dumping duty is required to be modified, the measure in force is required to be extended and the quantum of anti-dumping duty is required to be modified in respect of imports from Russia.

58. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining extent of injury, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from Russia.

Table

Sl. No.	Sub-heading	Description	Specifi cation	Country Of origin	Country Of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	Russia	Russia	Any	Any	3.42	KG	US\$
2.	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	Russia	Any	Any	Any	3.42	KG	US\$
4	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	Any except Russia & China PR	Russia	Any	Any	3.42	KG	US\$

59. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

P. K. CHAUDHARY, Designated Authority